Name: _____ Date: _____

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

प्रश्न-1 मूक सिनेमा में संवाद नहीं होते, उसमें दैहिक अभिनय की प्रधानता होती है। पर, जब सिनेमा बोलने लगा उसमें अनेक परिवर्तन हुए। उन परिवर्तनों को अभिनेता, दर्शक और कुछ तकनीकी दृष्टि से पाठ का आधार लेकर खोजें, साथ ही अपनी कल्पना का भी सहयोग लें।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

प्रश्न-1 मूक सिनेमा में संवाद नहीं होते, उसमें दैहिक अभिनय की प्रधानता होती है। पर, जब सिनेमा बोलने लगा उसमें अनेक परिवर्तन हुए। उन परिवर्तनों को अभिनेता, दर्शक और कुछ तकनीकी दृष्टि से पाठ का आधार लेकर खोजें, साथ ही अपनी कल्पना का भी सहयोग लें।

उत्तर जब पहली बार सिनेमा ने बोलना सीख लिया, सिनेमा में काम करने के लिए पढ़े - लिखे अभिनेता - अभिनेत्रियों की जरुरत भी शुरू हुई क्योंकि अब सवांद भी बोलने थे, सिर्फ अभिनय से काम नहीं चलने वाला था। आरंभिक 'सवाक' दौर की फिल्मों में कई 'गायक अभिनेता' बड़े पर्दे पर नज़र आने लगे। हिंदी - उर्दू भाषाओं का महत्व बढ़ा। अभिनेताओं - अभिनेत्रियों की लोकप्रियता का असर भी दर्शकों पर पड़ने लगा। औरतें अभिनेत्रियों की केश सज्जा तथा उनके कपड़ों की नकल करने लगीं। तकनीकी दृष्टि से फिल्मों में काफ़ी बदलाव आया, फिल्में अधिक आकर्षक लगने लगी, गीत-संगीत का भी महत्व बढ़ने लगा।

https://educationwithfun.com